

भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या - 5554

दिनांक 04.04.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

कृषि क्षेत्र में भारत-श्रीलंका सहयोग

5554. डॉ. नामदेव किरसान:

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या भारतीय उच्चायुक्त ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने में द्विपक्षीय अवसरों पर चर्चा करने के लिए श्रीलंका के कृषि, पशुधन, भूमि और सिंचाई मंत्री से मुलाकात की है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) सरकार द्वारा कृषि उत्पादकता, किसानों की आय और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के आधुनिकीकरण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;
- (घ) श्रीलंका के साथ भारत के कृषि सहयोग को आकार देने में "पड़ोसी प्रथम नीति" की क्या भूमिका है; और
- (ङ) यह नीति खाद्य सुरक्षा और कृषि विकास को बढ़ाने के अपने लक्ष्यों के साथ किस प्रकार संरेखित है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ख) श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त ने 24 फरवरी 2025 को कोलंबो में श्रीलंका के कृषि, पशुधन, भूमि और सिंचाई मंत्री माननीय के.डी. लालकंठ से मुलाकात की जिसमें कृषि क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के अवसरों पर चर्चा की गई।

(ग) से (ङ) दिसंबर 2024 में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान, दोनों पक्ष एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) स्थापित करने पर सहमत हुए जो श्रीलंका में कृषि क्षेत्र के व्यापक विकास की संभावनाओं की जांच करेगा।

‘पड़ोस प्रथम’ नीति के तहत भारत ने श्रीलंका की खाद्य सुरक्षा और कृषि विकास आवश्यकताओं को लगातार पूरा किया है। आर्थिक संकट (2022) के दौरान श्रीलंका द्वारा यूरिया उर्वरक प्राप्त करने के लिए किए गए अत्यावश्यक अनुरोध पर, भारत सरकार ने यूरिया की खरीद हेतु श्रीलंका को ऋण सहायता के तहत 55 मिलियन अमेरिकी डॉलर की त्वरित सहायता प्रदान की। भारत ने श्रीलंका के मध्य प्रांत के दांबुला में, खराब होने वाले कृषि उत्पादों हेतु 5000 मीट्रिक टन तापमान नियंत्रित करने वाले अपनी तरह के पहले ऐसे गोदाम के निर्माण के लिए 300 मिलियन श्रीलंकाई रुपए (लगभग 12 करोड़ रुपए) की अनुदान सहायता भी प्रदान की है।
